संपादकीय

नीतियों का भटकाव

दुनिया की गतिशील अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के नागरिकों में से अधिकांश की मान्यता है कि सत्ताधीशों की कल्याणकारी नीतियों के तमाम दावों के बावजूद जनता को राहत का एहसास नहीं होता। यहां तक कि 28 देशों में से अधिकांश देशों के बहुसंख्यक नागरिकों की मान्यता है कि कहीं न कहीं इन देशों के सत्ताधीशों की नीतियों में भटकाव की स्थिति है। यूं तो देशकाल- परिस्थिति के अनुसार समस्याओं को लेकर नागरिकों की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनी इप्सॉस के वैश्विक सर्वे में इन देशों के नागरिकों की प्राथमिक चिंताओं का विवेचन किया गया। इस ऑनलाइन सर्वे के आंकड़ों में इन देशों की तात्कालिक समस्याओं का अक्स उभरकर आया है। भारत में जब यह सर्वे किया गया तो वह पुलवामा हमले के बाद का परिदृश्य था, जिसके चलते सर्वेक्षण में भाग लेने वाले लोगों ने आतंकवाद के चलते सुरक्षा को प्राथमिकता दर्शाया। भारतीय लोगों ने यूं तो सरकार की नीतियों को कई परिप्रेक्ष्य में सही दिशा में माना, लेकिन देश में बेरोजगारी की समस्या को सबसे बड़ी चुनौती बताया। ऐसे लोगों की संख्या अधिक है जो मानते हैं कि सरकार की रोजगार नीतियां विफल रही हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार, अपराध व स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं भी सर्वे में भाग लेने वाले लोगों की प्राथमिकताएं रही हैं।

हकीकत है कि अब चाहे दुनिया के तमाम सत्ता संस्थान अपनी लोककल्याणकारी योजनाओं तथा विकास की नीतियों का कितना ही बखान क्यों न कर लें, उससे पहुंचने वाली राहत का प्रतिशत बेहद कम है। प्रचारतंत्र में जो तस्वीर उकेरी जाती है, उसका लाभ हकीकत में नजर नहीं आता। यही वजह है कि फ्रांस, स्पेन, बेल्जियम, तुर्की व दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के सर्वेक्षण में भाग लेने वाले लोगों का मानना है कि देश के शासकों की नीतियों में भटकाव नजर आता है। सत्ता की नीतियों में सबसे ज्यादा संतुष्टि का भाव चीन में आता है। संभव है साम्यवादी सत्ता का ढांचा कहीं इसके मूल में हो। मगर कमोबेश इन देशों में सत्ताधीशों की कथनी-करनी का अंतर लोगों को कचोटता है। दरअसल, नीतियों को लेकर जो दावे किये जाते हैं, व्यावहारिक धरातल पर वे नजर नहीं आते। वैसे आमतौर पर सभी देशों के नागरिक आतंकवाद, राजनीतिक व प्रशासनिक भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, स्वास्थ्य, अपराधों जैसी समस्याओं को गंभीर चुनौती मानते हैं। वहीं बेरोजगारी की समस्या बड़ी और विश्वव्यापी है और लगातार विकट बनी हुई है। सत्ताधीशों के लिये सर्वेक्षण का निष्कर्ष यह भी है कि जुबानी जमा-खर्च के बजाय नीतियों का लाभ सीधे जनता को मिलता नजर आना चाहिए।

कल से बदल जाएंगे एसबीआई के कई नियम

नई दिल्ली। 1 मई से कई बड़े बदलाव होने वाले हैं जो आपकी रोजाना की जिंदगी में असर डालेंगे। देश का सबसे बड़ा सरकारी बैंक अपने सेविंग अकाउंट की ब्याज दरों में बदलाव करने जा रहा है। पीएनबी अपनी अहम सर्विस भी बंद करने जा रहा है। आइए जानते हैं उन नियमों के बारे में जिसका असर आप पर पड़ने वाला है।

एसबीआई सेविंग अकाउंट पर बदल जाएगी ब्याज दर

एसबीआई सेविंग अकाउंट कस्टमर जिनका बैलेंस 1 लाख रुपये तक है उनको 3.50 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा। एसबीआई बैंक के 95 फीसदी ग्राहक इसी श्रेणी में आते हैं। इसके अलावा जिनका बैलेंस एक लाख रुपये से अधिक है उनको 3.25 फीसदी की दर से ब्याज मिलेगा जो 3.50 फीसदी से 0.25 फीसदी कम है। 1 मई से एसबीआई सेविंग अकाउंट पर ब्याज दरों (जिनका बैलेंस 1 लाख रुपए से ज्यादा है) और अन्य छोटी अवधि के लोन जैसे ओवरड्राफ्ट की ब्याज दरों में बदलाव आ जाएगा।

पंजाब नेशनल बैंक बंद कर रहा है पेमेंट वॉलेट सर्विस किट्टी

पंजाब नेशनल बैंक अपनी पेमेंट वॉलेट सर्विस किट्टी वॉलेट बंद कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक अपने ग्राहकों से मोबाइल वॉलेट बंद करने की अपील कर रहा है। वह ग्राहकों से अपने वॉलेट के पैसे खर्च करने या बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने की अपील कर रहा है। पीएनबी ट्वीट कर अपने ग्राहकों को जानकारी दी है। पीएनबी किट्टी एक

डिजिटल पेमेंट वॉलेट है, जिसके जरिए कस्टमर ऑनलाइन पेमेंट करते हैं। इसका इस्तेमाल कर ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन पेमेंट की जा सकती है। क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेटबैंकिंग की जगह पीएनबी किट्टी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एयर इंडिया नहीं कैंसल करने पर नहीं लेगा चार्ज

विमानन क्षेत्र में संकट के बीच एयर इंडिया ने हवाई यात्रियों को बड़ी राहत दी है। एयर इंडिया ने शनिवार को कहा कि एक मई से टिकट बुंकग के 24 घंटे के भीतर इसे रद्द कराने पर कोई शुल्क नहीं लेगा, बशर्ते यह फ्लाइट बुकिंग के कम से कम सात दिन बाद हो।

दरअसल, भारतीय विमानन नियामक डीजीसीए ने 27 फरवरी को 'पैसेंजर चार्टर जारी किया है और इसमें विमानन कंपनियों से हवाई यात्रियों को यह सुविधा देने को कहा गया है। हालांकि अभी किसी अन्य विमानन कंपनी ने ऐसी घोषणा नहीं की है। एयर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अश्वनी लोहानी ने एक सर्कुलर जारी कर इस फैसले की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय 1 मई से बिक्री के टिकटों पर प्रभावी होगी। सभी घरेलू टिकटों में बदलाव और रद्द करने के लिए निः शुल्क विकल्प उपलब्ध होगा।

चार्ट बनने से चार घंटे पहले तक बदल सकेंगे बोर्डिंग स्टेशन

भारत का सबसे बड़ा ट्रांसपोर्ट सिस्टम भारतीय रेलवे 1 मई से अपने ग्राहकों को नया तोहफा देगा। 1 मई से यात्री चार्ट बनने से चार घंटे पहले तक अपना बोर्डिंग स्टेशन बदलवा सकते हैं। अभी 24 घंटे पहले तक ही बोर्डिंग स्टेशन बदल सकते हैं। लेकिन ऐसा करने से अगल आपका टिकट कैंसल हो जाता है तो आपको रिफंड नहीं मिलेगा।

सरकारी पोर्टल पर निकालना पड़ेगा जीएसटी ई-चालान

»टैक्स चोरी पर नकेल

नईदिल्ली (आरएनएस)। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिकारी एक ऐसी प्रणाली पर काम कर रहे हैं जिसमें एक निश्चित सीमा से अधिक कारोबार करने वाली कंपनियों को सरकारी या जीएसटी पोर्टल पर प्रत्येक बिक्री के लिए ई- चालान निकालना होगा। इससे कर चोरी की गुंजाइश काफी हद तक कम हो सकेगी। शुरुआत में एक निश्चित सीमा से अधिक के कारोबार वाली इकाइयों को प्रत्येक इलेक्ट्रॉनिक या ई- चालान पर एक विशिष्ट संख्या मिलेगी।

एक अधिकारी ने बताया कि इन नंबर का मिलान बिक्री रिटर्न और चुकाये गए कर के इनवॉइस से किया जा सकेगा। आगे चलकर कंपनियों को बिक्री के पूरे मूल्य पर पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कर चालान या ई-इनवॉइस निकालना होगा। अधिकारी ने बताया कि एक निश्चित सीमा से अधिक के कारोबार वाली इकाइयों को एक सॉफ्टवेयर दिया जाएगा जो जीएसटी या सरकारी पोर्टल से जुड़ा होगा। इससे ई-चालान निकाला जा सकेगा। सीमा का निर्धारण चालान के मूल्य के आधार पर तय किया जा सकेगा।

एक अधिकारी ने कहा, ई-चालान निकालने की अनिवार्यता पंजीकृत व्यक्ति के कारोबार या चालान मूल्य के आधार पर तय होगी। वैसे विचार यह है कि यह कारोबार की सीमा पर आधारित हो, ताकि वह बिक्री बिलों को अलग अलग बांट नहीं सकें। उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि यदि न्यूनतम मूल्य 1,000 रुपये तय किया जाता है तो इस बात की संभावना रहेगी कि कंपनियां इसे कई बिलों में बांट दें जिससे चालान आधारित सीमा से बचा जा सके।

अपने आप में देश हैं ये कंपनियां, भारत की जीडीपी के बराबर इन पांच का मार्केट कैप

नई दिल्ली। कंपनियां अपने-आप में एक देश होती हैं। बात अगर दुनिया की टॉप कंपनियों की हो तो उनमें कुछ की संपत्ति मिलकर भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था के बराबर या उससे ज्यादा हो जाती है। ऐसी ही स्थिति दुनिया के टॉप अरबपतियों की है। कंपनियों की महानता का पैमाना लाख करोड़ डॉलर है तो अमीरी का पैमाना अब 100 अरब डॉलर बन गया है। ऐपल और ऐमजॉन के बाद अब माइक्रोसॉफ्ट ने भी सफलता का यही मानदंड छू लिया है। हालांकि, अभी तीनों कंपनियों का मार्केट वैल्यू एक लाख करोड़ (ट्रिलियन) डॉलर से थोड़ा नीचे है। उधर, माइक्रोसॉफ्ट के संस्थापक बिल गेट्स ऐमजॉन चीफ जेफ बेजॉस के बाद दुनिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर व्यक्ति हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के ट्रिलियन डॉलर क्लब में शामिल होने का मतलब करीब-करीब 20 साल बाद दोबारा उसकी धाक जमना है। दिसंबर 1999 में माइक्रोसॉफ्ट ने 618.9 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी का तमगा हासिल किया था। उसका यह रेकॉर्ड अगस्त 2012 में ऐपल ने तोड़ा।

मुंबई में मतदान के कारण शेयर बाजार बंद

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के तहत देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में सोमवार को मतदान होने के कारण शेयर बाजार और कमोडिटी वायदा बाजार का कारोबार बंद रहेगा।

चौथे चरण के मतदान के तहत मुंबई वेस्ट, मुंबई नॉर्थ वेस्ट, मुंबई नॉर्थ ईस्ट, मुंबई नॉर्थ सेंट्रल, मुंबई साउथ सेंट्रल और मुंबई साउथ में मतदान जारी हैं।

अपने पारी से काफी खुश हैं शुभमन गिल

कोलकाता (आरएनएस)। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज शुभमन गिल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ खेली गई अपनी 45 गेंदों पर 76 रनों की पारी को लेकर खुशी जाहिर की है और इसे इस आईपीएल में अपनी सबसे अच्छी पारी करार दिया है। गिल की शानदार पारी के दम पर कोलकाता ने मुम्बई को 233 रनों का लक्ष्य दिया। यह इस सीजन में टीम का सर्वोच्च योग है।

शुभमन ने आंद्रे रसेल (40 गेंद, 80 नाबाद रन) के साथ मिलकर अपनी टीम को शानदार जीत दिलाई और प्लेऑफ में जाने की उम्मीदो को जिंदा रखा। शुभमन ने कहा, हालात को देखते हुए यह मेरी इस आईपीएल में सबसे अच्छी पारियो में से एक है। गिल को इस बात की खुशी है कि वह टीम के हर में किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करते हुए योगदान देने में सफल रहे। गिल ने कहा, मुझे मौका मिला और मैंने खुद को साबित किया। मुझे इसकी खुशी है। हम हालात से निपटने के लिए अलग-अलग स्थानों को ध्यान मेंरखते हुए अभ्यास करते हैं और किसी भी स्थान पर आना और बल्ले के साथ चमकना एक मानसिक स्थिति होती है।

आज का राशिफल

मेषः- आज आप जनता के प्रिय बनेंगे। आपमें एक विशेष आकर्षण रहेगा। जमीन जायदाद से संबंधित क्षेत्रों में उत्तम लाभ मिलेगा।

वृषभः- राशि स्वामी शु अपने भाव में चला गया है, अपने क्षेत्र में होने से शत्रुओं को बल देगा। कुंभ राशि का चन्द्रमा दशम भाव में शनि के घर का होकर आपके अन्दर निर्भीकता का भाव संचार करेगा।

मिथुनः- आज आप इस बात का पूरा ध्यान रखें कि आपकी कोई बात सामने वाले को बुरी ना लग जाए। यदि आपका धन कहीं रुका हुआ है तो आज मिल सकता है।

कर्कः- कड़ी मेहनत से ही अपने कार्यों में सफल हो सकेंगे। भौतिक सुख साधनों पर खर्चा अधिक होगा। शत्रु अपने षड्यंत्रों में सफल नहीं हो पाएंगे।

सिंहः- आपके अन्दर परोपकार एवं दान पुण्य की भावना बढ़ने लगेगी। आत्मविश्वास के बल पर किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कन्याः- भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा। संतान से शुभ समाचार मिलने के संकेत हैं। वाणी पर संयम रखें, आप अपनी कार्यकुशलता से सर्वत्र विजय, विभूति, सफलता प्राप्त करेंगे।

तुलाः- यदि आप विद्यार्थी हैं तो आपकी शैक्षणिक दिशा में परिवर्तन होगा। शिक्षा की ओर आपकी रुचि बढ़ेगी। नए कार्य सीखने में सफल होंगे।

वृश्चिकः- आज आमदनी में ज्यादा खर्च की स्थिति रहेगी। संतान के द्वारा किए गए श्रेष्ठ कार्यों से आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

धनुः- राशि स्वामी देवगुरु बृहस्पति द्वादश भाव में वृश्चिक पर भ्रमण पर है। विद्या बुद्धि ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके कठिन प्रयासों से इच्छा की पूर्ति होगी।

मकरः- आज आपको पूर्वजों से धन मिलने की संभावना है। अतः- आपके संचित द्रव्य तंत्र-मंत्र साधना में भी आपकी रूचि बढ़ सकती है।

कुंभः- आमदनी की बढ़ोत्तरी के लिए किये गए प्रयास शत प्रतिशत सफल रहेंगे। श्रेष्ठ मार्गों द्वारा प्राप्त धन से कोष वृद्धि होगी। भाग्य की दृष्टि से आज का दिन अच्छा रहेगा।

मीनः- आज आपकी अपनी संपत्ति में वृद्धि होगी। आपको ननिहाल से भी मान-सम्मान मिलेगा। आपको प पी पक्ष एवं प पी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा।

रोहित शर्मा को बल्ले से स्टम्प्स तोड़ना पड़ा महंगा, अब देना होगा जुर्माना

कोलकाता (आरएनएस)। आईपीएल के मौजूदा संस्करण में कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ हुए एक मुकाबले के दौरान अचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मुम्बई इंडियंस टीम के कप्तान रोहित शर्मा पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

रोहित रविवार को हुए इस मैच में पगबाधा आउट हुए थे। उनकी टीम 233 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में रोहित ने पगबाधा आउट करार दिए जाने के बाद अम्पायर के फैसले पर नाराजगी जाहिर करते हुए अपने बल्ले से स्टम्प्स को तोड़ दिया था।

यह घटना दूसरी पारी के चौथे ओवर की है। रोहित ने अपने खिलाफ गए फैसले पर रीव्यू भी लिया था लेकिन इसके बावजूद उन्हें आउट करार दिया गया था। रोहित ने इस सम्बंध में अम्पायर से बात भी की थी और फिर गुस्से में स्टम्प्स तोड़ दिए थे।

मैच रेफरी के साथ मुलाकात और इस मामले की सुनवाई के दौरान रोहित ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए जुर्माना भी स्वीकार किया। मुम्बई इंडियंस यह मैच 34 रनों से हार गई थी। इस मैच में हार्दिक पांड्या ने 34 गेंदों पर 91 रन बनाए। मुम्बई इंडियंस 12 मैचों से 14 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

दिल्ली शान से प्लेऑफ में, विराट के चैलेंजर्स बाहर

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली कैपिटल्स ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 12वें संस्करण के मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को अपने घर फिरोज शाह कोटला स्टेडियम में 16 रनों से मात देकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। दिल्ली ने 2012 के बाद से पहली बार प्लेऑफ में प्रवेश किया है।

दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर (57), सलामी बल्लेबाज शिखर धवन (50) के बाद शेरफेन रदरफोर्ड की आखिरी ओवर में तेज तर्रार पारी की बदौलत बेंगलोर के सामने 188 रनों का लक्ष्य रखा था। बेंगलोर 20 ओवरों में सात विकेट खोकर 171 रन ही बना सकी।

इस सीजन यह इन दोनों टीमों के बीच दूसरी भिड़ंत थी। पहले मैच में दिल्ली ने बेंगलोर को उसके घर में हराया था। फिरोज शाह कोटला पर यह इन दोनों टीमों के बीच कुल नौवां मैच था जिसमें से छह में बेंगलोर को जीत मिली है तो वहीं तीन में दिल्ली को।

बेंगलोर ने शुरुआत तो अच्छी की थी, लेकिन मध्य के ओवरों में नियमित अंतराल पर बड़े खिलाड़ियों के आउट होने के कारण बेंगलोर राह भटक गई। इस हार के साथ ही बेंगलोर की प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म हो गई हैं। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बेंगलोर को जिस तरह की आक्रामक शुरूआत की जरूरत थी कप्तान विराट कोहली (23) और पार्थिव पटेल (39) ने उसे वैसे ही शुरुआत दी। दोनों ने आक्रामकता से बल्लेबाजी की और पांच ओवरों में टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 56 रनों तक पहुंचा दिया।

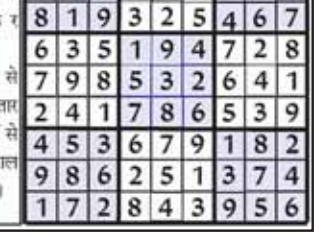

पनीर की खीर बनाने की विधि ...

खीर का नाम सुनते ही अक्सर लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। यूं तो आपने कई बार चावल की खीर खाई होगी। लेकिन क्या आपने कभी पनीर की खीर खाई है। नहीं न, इसे बनाना जितना आसान है, खाने में यह उतनी ही स्वादिष्ट होती है। तो चलिए जानते हैं पनीर की खीर बनाने की विधि के बारे में-

पनीर की खीर बनाने के लिए बसे पहले भारी तले वाले बरतन में दूध को उबालें। जब तक दूध उबल रहा है, कस्टर्ड पाउडर को आधा कप ठंडे पानी में घोल लें। जब दूध उबलने लगे, इसमें कस्टर्ड पाउडर का घोल डाल दें।

दूध को एक बार अच्छी तरह से चला लें, फिर इसमें शक्कर डाल दें। इसके बाद कद्दूकस किया पनीर दूध में डालें और चलाते हुए पकायें। दूध जब थोड़ा गाढ़ा हो जाये, तो गैस को बंद कर दें।

अब दूध के बर्तन को गैस से उतार कर अलग रख दें और इसे ठंडा होने दें। ठंडा होते समय इसे कलछी से बराबर चलाते रहें, नहीं तो ऊपर मलाई जम जायेगी और खीर देखने में अच्छी नहीं लगेगी।

खीर ठंडी होने पर उसमें ऊपर से कटे हुए मेवे और केसर छिड़क दें और इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिये रख दें।

अब आपकी पनीर की खीर तैयार है। ठंडी होने पर इसे सर्विंग बाउल में निकालें और सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य-49

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

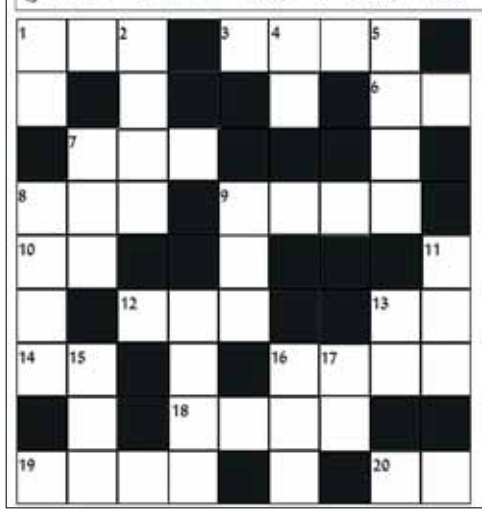

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 48 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

सू-दोकू-49

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.48 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6